आ रा सा रा पी गयो दही

कान्हा ने मोरी मटकी है फोड़ी
मटकी है फूटी रज धारा बही
आ रा सा रा पी गयो दही

पूछे यशोदा कैसे चोरी है की नी,
छीके धरी मटकी को कैसी छीनी,
मेरो तो लाला वारो नैनं को तारो तारो
तेरे से ज्यादा है मेरो दही
आ रा सा रा पी गयो दही

टोली ग्वाल बालो की संग में ले आवे,
आधो है खावे और आधो गिरावे
छिके पे धर के हेठ बाँध करके मटकी में देखो ये मारे छड़ी
आ रा सा रा पी गयो दही

इक दिन गए श्याम गोपी के घर को,
चोरी करते पकड़े गए गोपी के घर सो
गोपी सो केह रहे आंसू है बेह रहे
चोरी न करू मेरी मानो कही
आ रा सा रा पी गयो दही

Source: https://www.bharattemples.com/aa-ra-sa-ra-pee-geyo-dahi/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw